भारत सरकार
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं0 4879
25 मार्च, 2021 को उत्तर के लिए

पेयजल सर्वेक्षण

4879. श्री श्रीधर कोटागिरी:
श्री टी.आर.वी.एस.रमेश:
श्री संजय काका पाटील:
श्रीमती चिंता अनुराधा:
श्री एन.रेड्डप्प:

क्या ***आवासन और शहरी कार्य मंत्री*** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने हाल में देश के दस बड़े शहरों में प्रायोगिक पेयजल सर्वेक्षण शुरू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस प्रायोगिक परियोजना के उद्देश्य क्या हैं; और

(ग) क्या इस परियोजना का आशय प्रौद्योगिकी आधारित प्लेटफार्म का उपयोग करना है जिस पर लाभार्थियों की प्रतिक्रिया की निगरानी की जाएगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसकी प्रगति और परिणाम क्या रहे हैं?

उत्तर
आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) और (ख): जी हां। प्रस्तावित जल जीवन मिशन-शहरी के अंतर्गत, शहर में जलापूर्ति की गुणवत्ता, मात्रा तथा कवरेज, प्राथमिक/माध्यमिक सीवेज शोधन संयत्र/मल पंक शोधन संयत्र की क्षमता तथा शोधित अपजल की मात्रा और पुनर्उपयोग इत्यादि के संबंध में सेवा स्तरीय मानदंडों के अनुपालन के आकलन हेतु चयनित शहरों में चुनौती प्रक्रिया के रूप में पेयजल सर्वेक्षण करने की योजना बनाई गई है। यह जल निकायों के नवीकरण और जलस्रोतों के गैर राजस्व जल में कमी के लिए उठाए गए कदमों का भी आकलन करेगा।

अखिल भारत सर्वेक्षण की उद्घोषणा से पूर्व, दिनांक 16.02.2021 को 10 शहरों का प्रायोगिक सर्वेक्षण आरंभ किया गया है ताकि होने वाली प्रचालनात्मक या संस्थागत समस्याओं

का पता लगाया जा सके और जब यह सर्वेक्षण अन्य शहरों में किया जाए, तो इसकी तैयारी की जा सके।

इस प्रायोगिक सर्वेक्षण के तहत आगरा (उत्तर प्रदेश), बदलापुर (महाराष्ट्र), भुवनेश्वर (ओडिशा), चुरू (राजस्थान), कोच्चि (केरल), मदुरई (तमिलनाडु), पटियाला (पंजाब), रोहतक (हरियाणा), सूरत (गुजरात) और तुमकुर (कर्नाटक) नामक 10 शहर शामिल हैं।

(ग): यह परियोजना नागरिकों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए हाथ में मोबाइल यंत्रों के माध्यम से प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों का प्रयोग करती है।

******